ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 13 अंक - 17 दिसम्बर - I, 2012 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.50 रु.

हम एक परमात्मा की संतान, यही भाव सबके दिल में सद्भावना लायेगा

हरिद्वार। मानसिक विकृतियों के कारण दुर्भावनाएं जागृत हुई है। इन दुर्भावनाओं से हमें मुक्ति तभी मिलेगी जब हमारे हृदय में यह सद्भावना जागृत होगी कि हम सभी एक परमात्मा की संतान हैं।

उक्त उद्गार धार्मिक प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु.प्रेमलता ने धार्मिक प्रभाग द्वारा आयोजित सद्भावना यात्रा का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि यह यात्रा हमें अपने सत्य ज्ञान का बोध करायेगी और परमात्मा का ज्ञान जन-जन तक पहुंचायेगी। उन्होंने कहा कि विचारों को शुद्ध करने के लिए राजयोग की साधना आवश्यक है।

हरिद्वार। धार्मिक प्रभाग के 'सुविनीर' का विमोचन करते हुए महामंडलेश्वर स्वामी ओंमकारानंद, महामण्डलेश्वर डॉ.स्वामी श्याम सुंदरदास, महंत दर्शन सिंह त्यागमूर्ति, ब्र.कु.प्रेम, ब्र.कु मनोरमा, ब्र.कु.निरूपमा, ब्र.कु.कविता तथा ब्र.कु.कुंती।

गरीबदासी आश्रम हरिद्वार के स्वामी डॉ.श्यामसुंदर दास ने कहा कि हिन्दू संस्कृति को संरक्षण व सम्वर्धन प्रदान करने में ब्रह्माकुमारीज़ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। ईश्वरीय विश्व विद्यालय की नियमों व परम्पराओं का पालन करना हम सभी का धर्म है। वेदों से हमें मिलकर चलने की शिक्षा मिलती है। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य देश भी भारतीय संस्कृति एवं अध्यात्म से प्रभावित हुए हैं। षडदर्शन साधू समाज व देवपुरा आश्रम हरिद्वार के अध्यक्ष स्वामी दर्शनसिंह त्याग मूर्ति ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था 'एक विश्व एक परिवार' की धारणा के साथ पिछले 75 वर्षों से कार्य कर रही है। जूना अखाड़ा हरिद्वार के स्वामी डॉ.उमाकांतानंद सरस्वती ने कहा कि इस सच्चाई को सभी जानते हैं कि ईश्वर एक है जिसने यह दुनिया बनाई है। ईश्वर ने जब मानव को सृष्टि पर भेजा तो जीवन जीने के लिए एक धर्म दिया जिसका नाम आदि सनातन धर्म है। सनातन धर्म जीवन जीने की पद्धति है। वर्तमान समय हमें सद्भावना की बहुत आवश्यकता है।

जगन्नाथपुरी की ब्र.कु.निरूपमा ने सभी को राजयोग द्वारा गहन शांति की अनुभूति करायी। अहमदाबाद की ब्र.कु.ऊषा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आध्यात्मिक चेतना को जागृत करें

मॉरीशस। 'शिव परमात्मा' का संदेश देने के उद्देश्य से सन् 1978 में मॉरीशस में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा पहली सेवाकेंद्र की स्थापना की गई। अपने स्थापना के 34 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'एक परमात्मा, एक विश्व परिवार' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य विभिन्न धर्म के लोगों को एकजुट कर राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ाना था। इस कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मॉरीशस गणराज्य के राष्ट्रपति राजकेस्वर पुरयाग ने कहा कि आज पुन: आध्यात्मिक चेतना को लाने की आवश्यकता है। आज विश्व सामाजिक, आर्थिक, संस्कृतिक स्तर पर विभिन्न प्रकार के समस्याओं का सामना कर रहा है तो ऐसे समय में आध्यात्मिक चेतना को पुन: जागृत करने की आवश्यकता है। शांति के बिना कोई भी राष्ट्र प्रगति नहीं कर सकता है। उन्होंने डॉ.निर्मला को मॉरीशस में प्रथम सेवाकेंद्र खोलने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि जिन्होंने अपना समस्त जीवन मानव कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। इस अवसर पर उन्होंने दीदी चंद्रू को याद करते हुए कहा कि जिसके नेतृत्व संस्था को 1999 में प्रथम नेशनल यूनिटी अवार्ड मिला।

आस्ट्रेलिया में सेवाकेंद्रों की डॉ.निर्मला ने कहा कि आज लोग भगवान को खोजने के लिए कठिन तीर्थ यात्राओं पर जाते हैं और गुरु के बताये हुए मार्ग पर चलते हैं। लेकिन इन सबसे हमें भगवान की प्राप्ति नहीं होती है। जब हम स्वयं को जान लेंगे तो हमारा जीवन सुख-समृद्ध से भरपूर हो जायेगा। उन्होंने कहा कि राजयोग ही हमें 'स्व की और परमात्मा' की पहचान देता है। इस पर पथ पर चलकर ही अपना जीवन सुखमय बना सकते हैं।

लेखक अब्दूल लतीफ ने कहा कि हमें श्वांस लेने के लिए स्वच्छ हवा चाहिए और मानवता के कल्याण की आशा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें वही भाषा प्रयोग करनी चाहिए जो हमारे दिल को छू ले। और हमें एक विश्व परिवार की भावना को बढ़ावा देना चाहिए। एच.आर. के डायरेक्टर किम डरगा ने कहा कि हम सभी एक विश्व परिवार से सम्बन्धित हैं और हम सभी लोगों की यह तीव्र इच्छा होती है कि हमारे जीवन में खुशी हो। इसके लिए हमें अपने अंदर जाने की आवश्यकता है।

पत्रकार यूवान मार्टेल ने कहा कि जिस प्रकार विभिन्न फूलों से मिलकर एक सुंदर गुलदस्ता तैयार होता है, उसी प्रकार हम सभी भी आपस मिलकर शांति से रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वर के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एक पोस्टमैन की भांति कार्य कर रही है।

मॉरीशस। 'वन गॉड, वन वर्ल्ड फैमिली' कार्यक्रम में मंचासीन हैं मॉरीशस गणराज्य के राष्ट्रपति राजकेस्वर पुरयाग, डॉ.निर्मला तथा अन्य।

समाज में नई चेतना ला रही है ब्रह्माकुमारीज़

नागपुर। स्थानीय सेवाकेंद्र द्वारा 'परमात्म शक्ति से स्वर्णिम संसार' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नागपुर से मुम्बई तक श्रेष्ठ समाज के उत्थान के लिए अभियान यात्रा भी निकाली गई। इस अभियान यात्रा को सम्बोधित करते हुए महाराष्ट्र के गृहराज्य मंत्री शिवाजी राव मोघे ने कहा कि यह संस्था नि:स्वार्थ भाव से समाज की सेवा कर रही है और उनमें नई चेतना ला रही है।

नागपुर व विदर्भ में सेवाकेंद्रों की संचालिका ब्र.कु.पुष्पारानी ने कहा कि मनुष्य को सदा सद्विचारों की संपदा से परिपूर्ण रहना चाहिए, जिससे हमारा समाज और देश सुदृढ़ विचारों वाला चरित्रवान देश बन सके। उन्होंने कहा कि हमारे श्रेष्ठ कर्मों का बीज हमारे श्रेष्ठ विचार हैं और विचारों की दिशा बदलने से समाज की दिशा स्वत: ही बदल जाती है। यह अभियान यात्रा शहर के भिन्न-

शेष पृष्ठ 4 पर

नागपुर। 'श्रेष्ठ समाज उत्थान अभियान' यात्रा को सम्बोधित करते हुए महाराष्ट्र के गृहराज्यमंत्री शिवाजी राव मोघे।